



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—प्रथा-प्रथा (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 197]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, मई 24, 1990/ज्येष्ठ 3, 1912

No. 197] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 24, 1990/JYAISTHA 3, 1912

इस भाग से भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विवर संक्षेप

(प्राधिकार कार्य विभाग)

सीमा प्रभाग

प्रधिकारिता

नई विल्ली, 24 मई, 1990

भारतीय जीवन वीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निवृत्तियों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1990

सा. का. नि. 509(अ):—केन्द्रीय सरकार, जीवन वीमा नियम प्रधिकारिता, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन वीमा वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निवृत्तियों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम:—इस नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन वीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निवृत्तियों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1990 है।

2. भारतीय जीवन वीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निवृत्तियों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 (जिन्हें इसमें इसके परिणाम उक्त नियम कहा गया है), में,

(1) नियम 19क के उपनियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा और उसकी आवत यह समझा जाएगा कि उसे 1 अगस्त, 1989 से रखा गया था, अर्थात्:—

"(2) ऐसे किसी कर्मचारी को, जो सहायक या आवृत्तियों के वेतनमान में हो, जिसे 1 अगस्त, 1989 से ठीक पूर्व स्नातक वेतन वृद्धियों मिल रही थीं और जो उक्त नियमों के नियम 4 के उपनियम (1) में निविष्ट वेतनमान की प्रधिकतम सीमा तक पहुंच चुका था या जिसने उक्त नियम 7 के बांट (क) में निविष्ट पहली वेतन वृद्धि प्राप्त कर ली थी, स्नातक भस्ता निम्नलिखित सारणी के अनुसार वेय होगा।

मार्गी

बहु तारीख जिसमें भला देय है ग्रन्त

(i) (क) उन कर्मचारियों को जो 1 अगस्त, 1959, प्रति मास 1988 में उन नियमों के नियम 4 के उपनियम (i) में निर्दिष्ट बेतनमान की अधिकतम सीमा तक पहुँच सके थे, 1 अगस्त, 1989 में; या

(ख) जिस मास में एक वर्ष की सेवा जो उन नियमों के नियम 4 के उपनियम (i) में निर्दिष्ट बेतनमान की अधिकतम सीमा तक पहुँचते थे तारीख में प्रारम्भ होती, पूरी की हो, उसमें अगले मास की पहली तारीख से, जो भी बाद में हो।

(ii) (क) उन कर्मचारियों को जिन्होंने उन 130 रुपये प्रति मास नियमों के नियम 7 के खंड (क) में निर्दिष्ट पहली बेतन वृद्धि प्राप्त करने की तारीख में एक वर्ष में अधिक की सेवा पूरी कर नी हो, 1 अगस्त, 1990 में, या

(ख) जिस मास में एक वर्ष की सेवा जो उन नियमों के नियम 7 के खंड (क) में निर्दिष्ट पहली बेतन वृद्धि की तारीख में प्रारम्भ होती, पूरी की हो, उसमें अगले मास की पहली तारीख में, जो भी बाद में हो।

नागरीकरण.—संदेह दूर करने के लिए, यह स्पष्ट किया जाना है, कि नियम 14 वाँ के उपनियम (2) वो किसी वाल का प्रभाव नहीं होगा कि किसी ऐसे कर्मचारी में उन स्नातक भला की अमूली की जाए जो वह उन नियमों के प्रकाशन से पूर्व प्राप्त कर चुका है।

(2) उन नियमों के नियम 11 में, उपनियम (ii) के पद्धति-नियमित्यन उपनियम अन्तर्भूत किया जाना और उभयं वाचन द्वारा गमना जाएगा कि उसे 1 अगस्त 1987 को अन्तर्भूत किया गया था, अर्थात्—

(iii) जो अपने समझौते में 750 रुपये से अन-धिक उचाई पर ऐसे स्थानों पर बैठना है जो ऐसी पहाड़ियों में जिन हूँ हैं, अंतर्जित वर्किंग वाले वाले दूर की पहुँचा जा सकता है जो औपन मस्तक तल में 1000 रुपये और उसमें अधिक की उचाई पर है।

[प्र० नं २ (२१) /वी III/८९]
प्रम. ग्रन्त, ग्रन्तन मंत्रिम

ग्रन्तीकरण ग्रन्त

केन्द्रीय सरकार ने, जहा तक स्नातक भला का सबध है 1 अगस्त, 1989 में और जहा तक अवैतीय न्यात भला का सबध है, 1 अप्रैल, 1987 में भारतीय जीवन सीमा नियम के कर्मचारियों की भेदों के नियमों द्वारा जर्नें वो प्रतीक्षित करने वी मंजूरी दे दी है। नदनमार

नियम 19क और 11 का अमण्ड 1 प्रगत, 1989 और 1 अप्रैल, 1987 से संशोधन किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि इन अंतर्भूतों का भूतजड़ी विवाद देने से जीवन वीमा नियम के किसी भी भाग से भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की भांगवता नहीं है।

पाद टिप्पण : मुख्य नियम प्राथिमिकता सं. सा. का. नि. ७५८ और, तारीख 11-४-1985 के अश्रीन प्रकाशित किए गए थे अंतर्भूत १०५५ उनका संशोधन प्राथिमिकता सं. सा. का. नि. १८(अ) तारीख ११-१-1986, सा. का. नि. १०७६ (अ) तारीख ११-५-1986, सा. का. नि. १०६१ (प) तारीख ७-१२-1987 और सा. का. नि. ८७० (अ) प्रका ४७८ (प) तारीख २२-३-1988 और सा. का. नि. ५१५ (प) तारीख १२-३-1989 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
INSURANCE DIVISION
NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May, 1990

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III AND CLASS IV EMPLOYEES (REVISION OF TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE) AMENDMENT RULES, 1990.

G.S.R. 509(E) :—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. Short title:—These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1990.
2. In the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 (hereinafter referred to as "the said rules"),

(1) for sub-rule (2) of the rule 19A, the following shall be substituted and shall be deemed to have been substituted from the 1st day of August, 1989 namely:—

"(2) An employee in the scale of pay of Assistant or Stenographer, who was in receipt of graduation increments immediately prior to the 1st day of April,

1989 and had reached the maximum of the scale of pay referred to in sub-rule (1) of rule 4 of the said rules, or had drawn the first increment referred to in clause (a) of rule 7 of the said rules, be paid graduation allowance in accordance with the following Table :—

TABLE

Date from which Allowance is payable	Amount
--------------------------------------	--------

	1	2
(i) (a) On and from 1st day of August, 1989 to those Employees, who had reached the maximum of the scale of pay referred to in sub-rule (1) of rule 4 of the said rules, as on the 1st day of August 1988; or	Rs. 65/- per month	
(b) on and from the 1st day of the month following the completion of one year of service commencing from the date of reaching the maximum of the scale referred to in sub-rule (1) of rule 4 of the said rules,		
whichever is later.		
(ii) (a) on and from 1st day of August, 1990 to those employees who have completed more than one year of service from the date of the first of the increments referred to in clause (a) of rule 7 of the said rules; or	Rs. 130 per month	
(b) on and from the 1st day of the month following the completion of one year of service commencing from the date of the first increment referred to in clause (a) of rule 7 of the said rules,		
whichever is later.		

Explanation:—for the removal of doubts, it is clarified that nothing contained in sub-rule (2) of rule 19A, shall have the effect of recovering any graduation allowance drawn by an employee prior to the publication of these rules.

(2) In rule 11 of the said rules, after sub-rule (ii) the following sub-rule shall be inserted and shall deemed to have been inserted with effect from the 1st day of April, 1987, namely:—

“(iii) posted at places situated at a height of not less than 750 metres above mean sea level which are surrounded by and accessible only through hills with a height of 1000 meters and over above mean sea level. At the rate of 5 per cent of the basic pay subject to a maximum of Rs. 125/- per month.”

[F. No. 2 (21)/Ins.-III/89]
S. KANNAN, Jt. Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government have accorded approval to revise the terms and conditions of service of employees of the Life Insurance Corporation of India with effect from the 1st day of August, 1989, so far as Graduation Allowance is concerned and with effect from 1st day of April, 1987 so far as Hill allowance is concerned. The rules 19A and 11 are being amended accordingly with effect from 1-8-1989 and 1-4-1987 respectively.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

Foot Note: The principal rules were published under Notification No. GSR 357 (E) dated 11-4-1985.

Subsequently amended by Notifications No. GSR 18 (E) dated 7-1-1986, GSR 1076(E) dated 11-9-1986, GSR 961 (E) dated 7-12-1987, GSRs 870 (E) and 873(E) dated 22-8-1988 and GSR 515 (E) dated 12-5-1989.

